

नेटाल इंडियन कॉन्ग्रेस की 130वीं वर्षगाँठ

[स्रोत: डरबन लोकल](#)

हाल ही में 22 अगस्त 2024 को नेटाल इंडियन कॉन्ग्रेस (NIC) की 130वीं वर्ष गाँठ मनाई गई, जिसकी स्थापना 22 मई, 1894 को महात्मा गांधी के प्रस्ताव के आधार पर अगस्त 1894 में की गई थी।

- इसका गठन दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के वरिद्ध भेदभाव से निपटने के लिये किया गया था।

नेटाल इंडियन कॉन्ग्रेस क्या थी?

- नेटाल इंडियन कॉन्ग्रेस (NIC) पहली भारतीय कॉन्ग्रेस थी, जिसकी स्थापना महात्मा गांधी ने वर्ष 1894 में नेटाल (दक्षिण अफ्रीका का एक प्रांत) में भारतीयों के साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ लड़ने के लिये की थी।
- 1920 के दशक से NIC दक्षिण अफ्रीकी भारतीय कॉन्ग्रेस (SAIC) के अधीन कार्य करती रही।
- 1930-1940 के दशक में डॉ. जी.एम. नायकर की लोकप्रियता के साथ संगठन के विचारों में परिवर्तन आया तथा यह उग्रवादी विचारों की ओर अग्रसर हुआ। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1945 में डॉ. जी.एम. नायकर इसके नेतृत्वकर्ता बने।
- NIC की बढ़ती उग्रता के कारण 1950 और 1960 के दशक में कई नेताओं को जेल में डाल दिया गया।
- आधिकारिक तौर पर प्रतर्बिंधि न होने के बावजूद, दमन एवं उत्पीड़न के कारण NIC को अपनी गतिविधियों को रोकना पड़ा, जब तक कि वर्ष 1971 में इसका पुनरुद्धार नहीं हुआ और इसका ध्यान नागरिक कार्यों पर केंद्रित हो गया।
- 1980 के दशक के मध्य में NIC ने यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (UDF) के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
 - UDF का लक्ष्य "गैर-नस्लीय, एकीकृत दक्षिण अफ्रीका" की स्थापना करना था।

दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह में महात्मा गांधी की क्या भूमिका थी?

- भारतीय समुदाय का एकत्रीकरण और सत्याग्रह:
 - नेटाल सत्याग्रह: 7 जून 1893 को महात्मा गांधी को नस्लीय भेदभाव का सामना करना पड़ा, जब उन्हें दक्षिण अफ्रीका के पीटरमैरिट्ज़बर्ग रेलवे स्टेशन पर प्रथम श्रेणी के ट्रेन के डिब्बे से जबरन उतार दिया गया। इस घटना नेटाल सत्याग्रह में उनके पहले अहसिक वरिध के माध्यम से सवनीय अवज्ञा की उनकी भावना को प्रज्वलित किया।
 - गांधीजी ने भारतीय समुदाय को एकजुट करने तथा मताधिकार और भेदभावपूर्ण कानूनों जैसे मुद्दों के समाधान के लिये नेटाल इंडियन कॉन्ग्रेस (NIC) की स्थापना की।
 - ट्रांसवाल ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन: वर्ष 1903 में गांधीजी ने विशेष रूप से ट्रांसवाल क्षेत्र में बढ़ते प्रतर्बिंधों के खिलाफ भारतीयों के अधिकारों का समर्थन जारी रखने के लिये इस एसोसिएशन की स्थापना की थी।
 - सत्याग्रह का शुभारंभ: वर्ष 1906 में गांधीजी ने एशियाई पंजीकरण अधिनियम के खिलाफ जोहान्सबर्ग में अपना पहला सत्याग्रह (अहसिक प्रतर्बिंध) अभियान शुरू किया, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर वरिध प्रदर्शन और सवनीय अवज्ञा हुई।
 - ट्रांसवाल में एशियाई पंजीकरण अधिनियम 1906, के तहत एशियाई पुरुषों, मुख्य रूप से भारतीयों और चीन के लोगों को पंजीकरण कराना, उंगलियों के निशान दिखाना, पंजीकरण प्रमाणपत्र साथ रखना और शारीरिक परीक्षण से गुजरना अनिवार्य था। इसका उद्देश्य इस क्षेत्र में एशियाई लोगों के प्रवेश और आवागमन को नयित्तरति एवं प्रतर्बिंधि करना था।
 - दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों ने पैसवि रेजिस्ट्रेंस एसोसिएशन बनाकर भेदभावपूर्ण कानून का वरिध किया। उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपने पंजीकरण प्रमाणपत्र जला दिये, जिससे दक्षिण अफ्रीकी सरकार की नकारात्मक छवि बनी। अंततः संघर्ष एक समझौते के साथ समाप्त हुआ।
- एम्बुलेंस कॉर्प्स का संगठन:
 - एंग्लो-बोअर युद्ध (1899-1902) के दौरान गांधीजी ने अंगरेजों की सहायता के लिये भारतीय स्वयंसेवकों की एक एम्बुलेंस कॉर्प्स का गठन किया, जिससे भारतीयों के साथ बेहतर व्यवहार की उम्मीद थी, लेकिन यह उम्मीद पूरी नहीं हुई।
- सामुदायिक जीवन की स्थापना:
 - गांधीजी ने सामुदायिक जीवन प्रयोग के रूप में वर्ष 1904 में डरबन में फीनक्स सेटलमेंट की स्थापना की।
 - उन्होंने पूंजीवाद की आलोचना पर जॉन रस्कन की पुस्तक अनटू दिस लास्ट (John Ruskin's Unto This Last) को पढ़ने से प्रेरित होकर इस फार्म की स्थापना की थी।

- उन्होंने सत्याग्रहियों को तैयार करने के लिये वर्ष 1910 में जोहान्सबर्ग के समीप टॉल्स्टॉय फार्म की स्थापना की।
- इन पहलों का उद्देश्य आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना, सांप्रदायिक संभाव को बढ़ावा देना और व्यावहारिक कौशल में प्रशिक्षण प्रदान करना था।

■ वर्ष 1913 का सत्याग्रह अभियान:

- गांधी जी ने **पोल टैक्स**, **विविध पंजीकरण अधिनियम** के खिलाफ एक बड़े सत्याग्रह का नेतृत्व किया और अपनी पत्नी कस्तूरबा सहित भारतीय महिलाओं की महत्त्वपूर्ण भागीदारी के साथ कानून पारित किये।
 - साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने **ईसाई रीति-रिवाजों के अनुसार नहीं किये गए सभी विवाहों को अमान्य कर दिया था**, जिससे भारतीयों और अन्य गैर-ईसाई लोगों का गुस्सा भड़क उठा था।

■ कानूनी सुधार और भारतीय अधिकारों की मान्यता:

- गांधीजी के वरिष्ठ के नरिंतर दबाव के कारण दक्षिण अफ्रीकी सरकार को वर्ष 1914 के भारतीय राहत अधिनियम को स्वीकृत देनी पड़ी, जिसमें भारतीय समुदाय के अनेक मुद्दों को हल किया गया।

■ गांधीवादी आंदोलनों का प्रभाव:

- **सत्याग्रह का विकास:** दक्षिण अफ्रीका में गांधी के अनुभव **अहसिक प्रतिरोध के उनके दर्शन** को विकसित करने में महत्त्वपूर्ण सदिध हुए, जिसे उन्होंने बाद में भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भी लागू किया।
- **वैश्विक प्रभाव:** दक्षिण अफ्रीका में गांधी के तरीकों ने विश्व भर में **आगामी नागरिक अधिकार आंदोलनों की नींव** रखी और **नस्लीय एवं औपनिवेशिक उत्पीड़न के खिलाफ वैश्विक प्रयासों** को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया।
 - **नेल्सन मंडेला** और **मार्टिन लूथर किंग** दोनों ही गांधीजी और उनके सत्याग्रह से बहुत प्रभावित थे।

//



Mohandas Karamchand Gandhi

“The weak can never forgive. Forgiveness is the attribute of the strong.”

Brief Description

Birth: 2nd October 1869, Porbandar (Gujarat).

2nd October is observed as **International Day of Non-Violence**.

Profile: Lawyer, Politician, Social activist, Writer and led Nationalist Movement.

Father of the Nation (first called by Netaji Subhash Chandra Bose).

Ideology: Believed in the ideas of non-violence, Truth, Honesty, Care for Mother Nature, Compassion, Welfare of Downtrodden etc.

Political Mentor: Gopal Krishna Gokhale

Death: Shot dead by Nathuram Godse (30th January, 1948).

30th January is observed as **Martyrs' Day**

Nominated for the Nobel Peace Prize five times.



Gandhi in South Africa (1893-1915)

Used satyagraha against racist regime (Native Africans and Indians were discriminated).

Pravasi Bharatiya Divas (PBD) is celebrated every year on 9th January, to commemorate his return from South Africa.

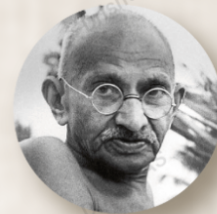
Contribution in India's Freedom Struggle

Small-scale movements like Champaran Satyagraha (1917)—First Civil Disobedience, Ahmedabad Mill Strike (1918)—First Hunger Strike, and Kheda Satyagraha (1918)—First Non-Cooperation.

Nationwide Mass Movements: Against Rowlatt Act (1919), Non-Cooperation Movement (1920-22), Civil Disobedience Movement (1930-34), Quit India Movement (1942).

Gandhi-Irwin Pact (1931): Between Gandhi and Lord Irwin that marked the end of a period of civil disobedience.

Poona Pact (1932): Between Gandhi and **B.R. Ambedkar**; this abandoned the idea of separate electorates for the depressed classes (Communal Award).



Books Written

Hind Swaraj, My Experiments with Truth (Autobiography)

Weeklies

Harijan, Navjivan, Young India, Indian Opinion.

Gandhi Peace Prize

is given by India for social, economic, and political transformation through Gandhian methods.

“Happiness is when what you think, what you say, and what you do are in harmony.”

“You must not lose faith in humanity. Humanity is an ocean; if a few drops of the ocean are dirty, the ocean does not become dirty”

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

????????

प्रश्न 1. इनमें से कौन अंग्रेज़ी में अनूदति प्राचीन भारतीय धार्मिक गीतकाव्य- 'सॉन्ग्स फ्रॉम प्रज़िन' से संबद्ध है? (2021)

- (a) बाल गंगाधर तलिक
- (b) जवाहरलाल नेहरू
- (c) मोहनदास करमचंद गांधी
- (d) सरोजिनी नायडू

उत्तर: (c)

प्रश्न 2. भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि: (2019)

1. महात्मा गांधी 'गरिमटियिा (इंडेंचर्ड लेबर)' प्रणाली के उन्मूलन में सहायक थे ।
2. लॉर्ड चेम्सफोर्ड की 'वॉर कॉन्फरेन्स' में महात्मा गांधी ने वशिव युद्ध के लयि भारतीयों की भरती से संबंधति प्रस्ताव का समर्थन नहीं कयिा था ।
3. भारत के लोगों द्वारा नमक कानून तोड़े जाने के परणामस्वरूप औपनिवेशिक शासकों द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस को अवैध घोषति कर दयिा गया था ।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1 और 3
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)